विषय सूची

	के संदर्भ में	
	अनुच्छेद	पृष्ठ
प्राक्कथन		(iii)
कार्यकारी सारांश		(v)
अध्याय-I: प्रस्तावना		
मुख्य अभिज्ञात परिणाम	1.1	2
भूमिकाएं एवं उत्तरदायित्व	1.2	3
लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों में गत व्याप्ति	1.3	3
अध्याय-II: लेखापरीक्षा दृष्टिकोण		
लेखापरीक्षा उद्देश्य	2.1	5
लेखापरीक्षा मानदण्ड	2.2	5
लेखापरीक्षा का कार्यक्षेत्र और जाँच हेतु परियोजनाओं का चयन	2.3	6
लेखापरीक्षा पद्धति	2.4	8
सतही सिंचाई में परिणामों का आंकलन करने में लेखापरीक्षा दृष्टिकोण	2.5	8
लेखापरीक्षा बाधाएं	2.6	9
अध्याय-III: सिंचाई परियोजनाओं की आयोजना, निष्पादन एवं वित्तीय प्रबंधन		
परियोजनाओं की आयोजना में कमियाँ	3.1	12
परियोजनाओ का समय लंघन	3.2	16
लागत लंघन	3.3	19
अलाभकारी परियोजनाओं का निर्माण	3.4	21
निष्पादन	3.5	22
अंश लागत, क्षतिपूर्ति की अप्राप्ति एवं मूल्य विचलन का अनुचित भुगतान	3.6	31
निष्कर्षों का सारांश	3.7	33
सिफारिशें	3.8	33
अध्याय-IV: परियोजनाओं की निगरानी और रख-रखाव एवं हितधाराकों के बीच समन्वय		
नहर से जल छोड़ने की निगरानी का अभाव	4.1	35
सहभागी सिंचाई प्रबंधन गतिविधियां	4.2	36
संयुक्त भौतिक सत्यापन	4.3	38
सामाजिक अंकेक्षण न करना	4.4	41
जल अंकेक्षण	4.5	41
संचालन और रखरखाव	4.6	42
जल संसाधन विभाग की नियमावली के अद्यतनीकरण का अभाव	4.7	42
दोषों के सुधार का अभाव	4.8	42
हितधारकों के बीच समन्वय	4.9	42
निष्कर्षों का सारांश	4.10	43
सिफारिशें	4.11	44
अध्याय-V: परिणामों का प्रभाव और उपलब्धि		
सिंचाई क्षमता	5.1	45
पेयजल	5.2	45
फसल पद्धति में विविधता हासिल करना	5.3	45
पारिस्थितिक और पर्यावरण संरक्षण	5.4	47

विषय सूची

	के संदर्भ में	
	अनुच्छेद	पृष्ठ
वृक्षारोपण लक्ष्य की प्राप्ति	5.5	48
लाभ लागत अनुपात	5.6	48
परिणामों की निगरानी के लिये तंत्र का अभाव	5.7	49
निष्कर्षों का सारांश	5.8	50
सिफारिशें	5.9	50
अध्याय-VI: निष्कर्ष		**51**

परिशिष्टों की सूची

संख्या	विवरण	पृष्ठ
I	प्रमुख निष्कर्षों की स्थिति और उस पर जन लेखा समिति की सिफारिशें	53
II	भूमि अधिग्रहण में देरी दर्शाने वाला विवरण	54
III	क्षतिपूर्ति की वसूली/उद्ग्रहण का अभाव	55
IV	जल उपयोगकर्ता संघों द्वारा अभिलेखों के संधारण का अभाव	58